सिंगर रुड़ायाबु

दनासी विरिया ते
दिसुम तबु राड़ा जना
मरबु संगोम रुड़ाया
हतु दिसुमबु सिंगर रुड़ाया
मरबु संगोम रुड़ाया ।

अरी चली रीति - नीति
इतु जना छान - छिति
मरबु संगोम रुड़ाया
हतु दिसुमबु सिंगर रुड़ाया
मरबु संगोम रुड़ाया ।

तिसिंग गेबु कजी केटे:
कड़म सुपुब केटे: एटे:
मरबु चँडङ एटे:या
हतु दिसुमबु सिंगर रुड़ाया
मरबु चँडङ एटे:या ।

कजिबु इतुना हड़म कोते
कमी चेंगड़ा चाबाड़ि कोते
मरबु ताड़ा ताड़ी ना
हतु दिसुमबु सिंगर रुड़ाया
मरबु ताड़ा ताड़ी ना ।

Question:-> "सिंगर रुड़ायाबु" दुरङ रेआ: सुबामुल जगरको ओलेपे ।

Answer :- "सिंगर रुड़ायाबु" दुरङ 'बम्बरु' पुति ते अड़ुआ कना। ने दुरङ दो 'डॉ॰ दुलाय चन्द्र मुण्डाए' ओल तदा। नेअ दुरङ 'करम' रंग (राग) रे ओला कना।

ने दुरङ रे अबुअ: भारत दिसुमअ: दासी-गुलामि तयोम ते, अंगरेज कोते अजाद जन तयोम ते चिलका समरओ रुड़ओअ एना जगार कोगे उदुबा कना।

ने दुरङ रे दुरङ हरिअर कजि तना अबु भारत दिसुम अंगरेज कोअ: दासि-गुलामी ते राड़ा जना। एना मेनते नअ: दो ने दिसुम अबुअ: तीइ: रे हिजु जना। नेका रे ने भारत दिसुम सिंगार ओड़ो: समरओ रुड़ा रेअ: जिम्मा अबुबु मेतइआ। एना मेनते नअ: दो अबु सोबेन कोते ने हतु दिसुमबु संगोम रुड़ारअ ओड़ो: अबु भारत दिसुम होड़ोको मरबु सेतो-संगोम रुड़ाना।

अयर ते दुरङ हरिअर कजि तना अबुअ: संस्कृति, रीति-नीति, बोंगा-बुरु सोबेना: छिति-छान लेका एनाको मरबु संगोम रुड़ाया आर अबुअ: भारत दिसुम मरबु सिंगार रुड़ाया।

अयर ते दुरङ हरिअर कजि तना। नेकन दासी तोनोल ते राड़ाकन सोमय रे। चिलका भारत दिसुम छिती-छान चनाकन सोमय रे। मर नअ: दो अब भारत सेंगाअ: होनको तिसिंग तेगे बु कजि कटे: कुअ: ओड़ो: कुड़म, सुपु कोबु कटे: रहेड कुआ। ओड़ो: अबु विकास रेअ: हयातबु सेन रटे: केआ। चंडङ रटे: केआ। दिसुम सिंगार मेतबु चंडङ रहेड कुआ।

तुउडु रे दुरङ हरिअ 'दुलाय' कजि तना चि हड़म होड़ोकोअ कजि कोबु इतुना ओड़ो: कमी कटे: चांगड़ा-चागिड़ि कोलो: मरबु सेकड़ा-सेकड़ा कामि उदमा आर अबु दिसुम, भारत दिसुमबु सिंगार रुड़ाया। अबुअ: दिसुम दुरु-रसिका रसिकान दिसुमबु बइआ।